दर्शन दो सांवरिया | by Devanshi Solanki

दर्शन दो एक बार सांवरिया
दर्शन दो एक बार
दर दर मैं तो भटक रहा हूँ
मत करना इंकार सांवरिया
दर्शन दो एक बार .....

तेरा मेरा प्रेम पुराना मैं सेवक तुम स्वामी
झोली में भिक्षा डाल दो प्रेम की
कब से खड़ा तेरे द्वार सांवरिया
दर्शन दो एक बार .....

गर तुम मुझको बिसराओगे जाए कहाँ ये दीवाना
विनती सुनलो श्याम हमारी
रो रो करूँ पुकार सांवरिया
दर्शन दो एक बार .....

दीन दयालु कहलाते हो दया करो अब मुझ पर
नैया मेरी डोल रही है
करदो बेडा पार सांवरिया
दर्शन दो एक बार .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%a6%e0%a5%8b-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-by-devanshi-solanki/